भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2539
जिसका उत्तर मंगलवार 01 अगस्त, 2017 को दिया जाना है

हाइब्रिड कार

2539. डॉ के गोपाल:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कम उत्सर्जन करने के कारण हाइब्रिड कारों को स्वच्छ माना जाता है जबकि विद्युत वाहन थोड़ा भी उत्सर्जन नहीं करते हैं तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या एफएएमई योजना के अंतर्गत लगभग 60 प्रतिशत प्रोत्साहन 'माइल्ड' डीजल हाइब्रिड कारों को मिल गया है जबकि उन्हें पहले ही उत्पाद-शुल्क में काफी छूट मिल चुकी होती है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि विद्युत एवं मजबूत हाइब्रिड वाहन ज्यादातर उपेक्षित रहे हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क): भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय ने हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों द्वारा उत्सर्जन की मात्रा ज्ञात करने के लिए कोई अध्ययन नहीं किया है।

(ख) से (घ): सरकार द्वारा 01 अप्रैल, 2015 से 30 जून, 2017 तक फेम इंडिया स्कीम के अंतर्गत सहायता प्राप्त कुल वाहनों और वाहन प्रकारों के साथ-साथ मांग प्रोत्साहनों का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

वाहन का प्रकार	कुल सहायता प्राप्त वाहन	कुल प्रोत्साहन राशि (प्रतिबद्ध + निर्मुक्त) (₹ में)
पारम्परिक बैटरी के साथ कम गति वाले दुपहिया	41,872	31,40,40,000
पारम्परिक बैटरी के साथ उच्च गति वाले दुपहिया	3,331	3,13,11,400
आधुनिक बैटरी के साथ कम गति वाले दुपहिया	193	32,81,000
माइल्ड हाइब्रिड चौपहिया	95,980	124,77,40,000
स्ट्रांग हाइब्रिड चौपहिया	2,446	17,12,20,000
पूर्ण इलेक्ट्रिक कार	1,599	19,82,76,000
पूर्ण इलेक्ट्रिक एलसीवी	10	18,70,000
कुल	**1,45,431**	**196,77,38,400**

******